संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद (भाईजी) पंचतत्व में विलीन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद के निधन पर शोक व्यक्त किया

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद (भाई जी) का बुधवार को एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे एवं विगत एक माह से किडनी की बीमारी का इलाज ले रहे थे। बुधवार शाम को

- **राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ समेत अनेक गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

झालाना मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में माणकचंद्र के छोटे भाई कमल चरखा समेत अनेक गणमान्य बंधु शामिल हुए।

इससे पूर्व पाथेय भवन में उनकी देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई, जहां राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उद्योग मंत्री राज्यवर्धनसिंह राठौड़ समेत अनेक गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके निधन से संघ परिवार, पाथेय परिवार एवं राष्ट्रवादी पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षित हुई है। उनका तपस्वी जीवन और कार्यों की प्रेरणा सदैव स्मरणीय रहेगी।

स्थित प्रज्ञ थे, जीया तपस्वी जीवन:

माणकचंद ने अपना सम्पूर्ण जीवन संघ कार्य को समर्पित करते हुए प्रचारक जीवन की कठिन साधना की। माणकचंद का जन्म 2 नवम्बर 1942 को नागौर जिले के कसारी-बड़ा गांव में हुआ था। 1966 में वे पूर्णकालिक प्रचारक बने और छह दशक तक राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर संगठनात्मक, बौद्धिक एवं वैचारिक कार्य में संलग्न रहे।

वे पाथेय कण पत्रिका के प्रबंध संपादक के रूप में 34 वर्षों तक सक्रिय रहे। उन्होंने 1989 से पाथेय कण में प्रबंध संपादक की भूमिका निभाई और वैचारिक पत्रकारिता को नई दिशा दी। उनके संपादकीय नेतृत्व में यह पत्रिका भारतीय विचारधारा की मुखर और प्रतिष्ठित आवाज बनी।

आपातकाल के कालखंड में उन्होंने जेल यात्रा भी की और वैचारिक प्रतिबद्धता से कभी विचलित नहीं हुए। संघ के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन, संयम, सादगी और संतुलित दृष्टिकोण ने नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। पाथेय कण के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र निर्माण हेतु वैचारिक चेतना का दीप प्रज्वलित किया, जो दीर्घकाल तक स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी:

शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने स्व. माणकचंद के व्यक्तित्व को याद कर कहा कि उनका जीवन उच्च आदर्शों और सिद्धांतों के लिए समर्पित था। समाज में राष्ट्रीय चेतना और मूल्यों के प्रसार में उनके अतुलनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

पाथेय कण के संरक्षक माणकचंद के निधन पर देवनानी ने गहरा शोक व्यक्त किया

देवनानी ने माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धाजंलि दी:

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पाथेय कण के संरक्षक माणकचंद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। माणकचंद के निधन का समाचार सुनते ही देवनानी एसएमएस अस्पताल पहुँचे। देवनानी ने अस्पताल में माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धाजंलि दी।

'युवाओं में लोकतंत्र की बेहतर समझ बढ़ाने की पहल'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने और समाधान खोजने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु शनिवार को राजस्थान विधान सभा में प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय युवा संसद होगी। युवा संसद में जयपुर शहर के विद्यालयों के विद्यार्थी, संसद अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाते हुये राजस्थान विधानसभा के सदन में संसदीय प्रक्रियाओं पर वाद-विवाद करेंगे। देवनानी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी राष्ट्र की दिशा तय करने वाली शक्ति है। उन्हें यदि लोकतंत्र और संसदीय प्रक्रिया की सही समझ मिले, तो वे समाज के सजग प्रहरी बन सकते हैं। युवा संसद इसी दिशा में एक प्रयास है, जिससे छात्र-छात्राएँ केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर समाज और व्यवस्था को गहराई से समझ सकें।

दिन भर बारिश का दौर जारी रहा कभी तेज तो कभी फुहार। सावन के महीने में बारिश की झड़ी लगी रहने से सूरज भी नही निकला। सहर के लगभग सभी इलाके में सड़के दरिया बन गई , रेलवे स्टेसन अंडर पास व खाशा कोठी पर भरा बारिश का पानी।

1936 विद्यालयों में मरम्मत के लिए 160 करोड़ रुपये की स्वीकृति

जयपुर। झालावाड़ के पीपलोद स्कूल हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बहुत पीड़ा का अनुभव किया है। उन्होंने परिवार के मुखिया का कर्तव्य निभाते हुए शोक की इस घड़ी में त्वरित फैसले लेकर ठोस कदम उठाए हैं जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो ।

गत 25 जुलाई को हुए इस हादसे के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए सभी जिला कलेक्टर की बैठक ली, उन्हें सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए और उसी दिन शाम को साढ़े 6 बजे प्रदेश के 3,688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया। प्रदेश के 1,936 विद्यालयों में मरम्मत, उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 160 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं।

मेवात, डांग, मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम और विधायक कोष से भी मरम्मत के लिए राशि को 15 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों की मरम्मत के लिए 3 करोड़ रुपए मिलेंगे।

- **हादसे के दिन ही 3688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया**

यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि सीएम शर्मा के निर्देशन में शासन और प्रशासन ने इस दुर्घटना के बाद बहुत स्विफ्ट रेसपोंस दिया। यह दिखाता है कि संकट में हम बस एक हैं और प्रत्येक संकट, खतरे को चुनौती के रूप में लेकर जीवटता के साथ इसका जवाब देना हम राजस्थानियों के जींस में है। इसमें नेतृत्व सबसे प्रभावशाली भूमिका निभाता है और यहां भजनलाल शर्मा ने दिखाया है कि नेतृत्व अथॉरिटी, आदेश देने से कहीं आगे की भूमिका में है और वह है, आमजन के साथ तादात्म्य कर उनकी आंकांक्षा, चिंता और आशा को शासन की आंकांक्षा, चिंता और आशा का रूप लेकर लक्ष्य को समय पर प्राप्त करे।

मुंबई साइबर क्राइम के नाम पर 80 लाख की ठगी

सोवन मंडल

जयपुर। साइबर ठगों ने अपनी शातिर चालों से अजमेर की बयासी वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया और डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर उनसे अस्सी लाख की भारी भरकम राशि ऐंठ ली। इस हाई-प्रोफाइल मामले में राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने मुख्य खाताधारक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बैंक खाते में ठगी की गई सारी रकम ट्रांसफर की गई थी।

पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना 23 नवंबर से 30 नवंबर 2024 के बीच हुई। ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए महिला से संपर्क साधा और खुद को मुंबई साइबर क्राइम का अधिकारी बताया। उन्होंने महिला को डिजिटल रूप से गिरफ्तार होने का झांसा दिया और कानून की कार्रवाई से बचने के नाम पर उनसे अस्सी लाख अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

प्रकरण अजमेर में दर्ज होने के बाद इसे साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन राजस्थान, जयपुर को हस्तांतरित कर दिया गया। जिसके बाद जांच में तेजी आई। साइबर थाने की विशेष टीम ने ठगी गई राशि के लेनदेन का गहन विश्लेषण किया। जांच में पाया गया कि ठगी की गई पूरी अस्सी लाख की राशि एक ही बैंक खाते में स्थानांतरित की गई थी। यह खाता सोवन मंडल पुत्र संतोष (30) निवासी धूलिया हावड़ा पश्चिम बंगाल का था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सोवन मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। उससे आगे की पूछताछ जारी है।

रुडी का राजनीतिक अनुभव बनाम बालियान की क्षेत्रीय पकड़

- **भाजपा के दो नेता आमने सामने, रुडी को मिल रहा सर्वदलिय समर्थन**
- **फ्रेंडली मुकाबले की आड़ में तीखी टक्कर, क्लब चुनाव बना चर्चा का केंद्र**

जयपुर/नई दिल्ली। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) पद के लिए होने वाला आगामी चुनाव राजनीतिक हलकों और मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रतिष्ठित पद के लिए मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के बीच है।

एक ओर हैं श्री राजीव प्रताप रूडी जो सात बार के सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और क्लब की कार्यकारी व्यवस्था में दो दशकों से सक्रिय नेतृत्वकर्ता, जिनकी प्रशासनिक दक्षता और समावेशी दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है।

दूसरी ओर हैं श्री संजीव बालियान, पश्चिम उत्तर प्रदेश से आने वाले पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री, जो क्षेत्रीय सांसदों और विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मतदाताओं के समर्थन से मैदान में हैं।

हालांकि दोनों ही पक्ष सरकार से समर्थन मिलने का दावा कर रहे हैं, लेकिन भाजपा की ओर से किसी भी प्रत्याशी के पक्ष में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

पार्टी ने इसे फ्रेंडली मुकाबले के रूप में सांसदों के विवेक पर छोड़ दिया है।हाल ही में संसद में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर'पर रात्रिकालीन चर्चा के दौरान एक दिलचस्प दृश्य देखने को मिला। बताया जाता है कि जब सदन में सांसद मौजूद थे, तो गृह मंत्री अमित शाह ने मुस्कुराते हुए श्री रूडी से पूछा कि इतनी रात को भी वोट मांग रहे हैं? और फिर स्वाभाविक जिज्ञासा से यह भी पूछा कि कैसा चल रहा है? राजनीतिक हलकों में इस प्रसंग को अघोषित समर्थन के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि इसकी कोई औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है।

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस पर पोस्टर का विमोचन

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा है कि मानव तस्करी एक गंभीर विषय है और सरकार ने इसे रोकने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

शर्मा बुधवार को पुलिस मुख्यालय में विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों की सुरक्षा विषय पर सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन द्वारा आयोजित पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे ।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में भी मानव तस्करी एवं महिला तथा बाल सुरक्षा विषय के महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गए हैं।

पांच सदस्यीय कमेटी डेयरी बूथ आवंटन पॉलिसी में करेगी संशोधन

जयपुर। राजस्थान में सरस की डेयरी बूथ आवंटन को लेकर पॉलिसी में आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस संबंध में शासन सचिवालय में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत की

- **बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत व अन्य अधिकारियों ने बूथ आवंटन नीति-2021 में संशोधन के सुझाव दिए**

केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत(बांये) ने डेयरी सेवाओं के विस्तार एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से बैठक ली।

अध्यक्षता में डेयरी सेवाओं के विस्तार एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। पांच सदस्यीय कमेटी में पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, डीएलबी के डायरेक्टर जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्धाज, दुग्ध संघ, जयपुर के एमडी मनीष फौजदार को शामिल किया गया है। यह कमेटी बैठक में आए सुझावों के आधार पर प्रस्ताव तैयार करेगी।

बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत व अन्य अधिकारियों ने बूथ आवंटन नीति-2021 में संशोधन के सुझाव दिए। इनमें बूथ आवंटन हेतु आवेदन पत्र संबंधित जिला दुग्ध संघ में जमा कराने, नए डेयरी बूथों के स्थान आवंटन आरसीडीएफ/जिला दुग्ध संघ द्धारा गठित समिति द्धारा चिन्हित कर अंतिम सूचि जारी करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा प्रस्तावित डेयरी बूथ के लिए उसी क्षेत्र के पांच किमी. की परिधि के स्थानीय निवासी को प्राथमिकता देने, सेवारत सेना के जवान के परिवारिक सदस्य को आवेदन के लिए पात्र मानने संबंधी प्रस्ताव को नई नीति में शामिल करने का सुझाव दिया गया।

नए सरस पार्लर खोलने की संभावनाएं तलाशेगा आरसीडीएफ

बैठक के दौरान प्रदेश में नए सरस पार्लर खोलने के लिए आरसीडीएफ को संभावनाएं तलाशने के लिए निर्देशित किया गया। इसके लिए सरकारी चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, शैक्षिणक संस्थाओं, बस स्टेंड व रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर सरस पार्लर खोलने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि नए सरस पार्लर खोलने से न केवल आरसीडीएफ की आय में बढोतरी होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से ही बजट घोषणा 2024-25 के तहत प्रदेशभर में 2500 नए सरस बूथ खोले जा रहे हैं। इसके तहत 2000 बूथों के लिए कुल 11536 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से जांच के बाद 7861 आवेदन पत्र आरसीडीएफ द्धारा अनुमोदित कर संबंधित निकायों को प्रेषित किए गए हैं। इसके अलावा विगत वर्षों के पैंडिंग 500 बूथों का निस्तारण स्थानीय निकाय स्तर पर लंबित है। इस प्रकार कुल 8361 लंबित आवेदन पत्रों का जल्द से जल्द निस्तारण कर लॉटरी के जरिए कुल 2500 बूथों के आवंटन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गई है।

जमीनों को फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली गैंग के दो भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारत सरकार की ओर से जब्त जमीनों को सेबी के फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली जालसाज गैंग के दो भू माफियाओं को गिरफ्तार किया है और साथ ही कर फर्जी दस्तावेज व सील मोहरे बरामद की है। इस गिरोह में दिल्ली-हरियाणा के सदस्य भी शामिल हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारत सरकार की ओर से जब्त जमीनों को सेबी के फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली जालसाज गैंग के आरोपित प्रमोद कुमार तातेड (49) निवासी बिलाडा जिला जोधपुर और श्रवण रणवा उर्फ सुरेश रणवा (40) निवासी लोसल सीकर को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपित भूमाफिया प्रमोद कुमार तातेड (जैन) को पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ में उसने सरकारी जमीन को सेबी के फर्जी दस्तावेज से सौदा कर बेचना स्वीकार किया।

ग्रेटर निगम में चहेते ठेकेदारों को मिले टैंडर, अन्य के ठेके निरस्त

-कार्यालय संवाददाता-

- **अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा पर भेदभाव का आरोप लगा रहे ठेकेदार**
- **ठेकेदार द्वारा ज्यादा रेट डाली गई थी, वह उंची दर पर कार्यादेश का दबाव बना रहा था, इसलिए टैंडर निरस्त किए गए: नितिन शर्मा**

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम में चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए कुछ अफसर खुली दरियादिली दिखा रहे है। चुनिंदा ठेकेदारों को तो टेंडर के कार्यादेश तो दिए जा रहे है, जबकि अन्य फर्मों के ठेके निरस्त किए जा रहे है। हांलांकि अब कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी ने विवादित सभी टैंडर निरस्त करने की बात कही है। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों हेरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी के अध्यक्ष रघुवीर शर्मा और अन्य ठेकेदारों ने आयुक्त से मुलाकात करके इस मामले की लिखित और मौखिक शिकायत की थी।

सूत्रों के मुताबिक ग्रेटर नगर निगम के विद्याधर नगर जोन में पिछले दिनों नाला सफाई और नाला निर्माण के कार्य के करीब 80 से 85 लाख रूपये के दो टैंडर हुए थे, जिसमें करीब 5 प्रतिशत कम रेट पर मैसर्स श्री बिल्डर्स और अन्य फर्म को कार्यादेश अधिषाषी अभियंता विविध बडाया ने जारी किया था।

जबकि विद्याधर नगर जोन में ही इसी तरह के नाला सफाई और नाला निर्माण व मरम्मत के अन्य करीब 4 से 5 टैंडर, जो कि मैसर्स कृष्णा बिल्डर्स एंड कॉन्ट्रेक्टर्स को मिले थे, उन्हें रद्द कर दिया गया। ठेकेदार अनिल अग्रवाल का आरोप है कि अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा ने जानबूझकर ठेके रद्द किए हैं, जबकि इन टैंडर्स में तय रेट से करीब 10 से 15 प्रतिशत दर कम डाली गई थी। जो कि प्राय: प्रत्येक टैंडर में सामान्यत: आती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिन टैंडरों में ग्रेटर नगर निगम को राजस्व का फायदा हो रहा था और रेट भी कम आई थी, उन्हें अधिकारियों ने निरस्त क्यों किया?

जब ठेका फर्म ने इसकी शिकायत हेरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी से की तो अध्यक्ष रघुवीर शर्मा के नेतृत्व में ठेकेदारों ने आयुक्त डॉ. गौरव सैनी से मुलाकात की। रघुवीर शर्मा ने आरोप लगाया है कि ग्रेटर नगर निगम में अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा इन दिनों अपनी मनमानी पर उतरे हुए है। वे किसी चहेते ठेकेदार को टेंडर देने के लिए कभी तो किसी निविदा को 5 प्रतिशत कम रेट पर भी खोलकर कार्यादेश संबंधित अधिशाषी अभियंताओं से दिलवा रहे है, जबकि दूसरी तरफ 10 से 20 प्रतिशत कम रेट के वाले टेंडर्स को निरस्त किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में अधीक्षण अभियंता के पास नियमानुसार 50 लाख रुपए से ऊपर के कार्यों से संबंधित पत्रावलियां भेजी जाती है, परन्तु ग्रेटर नगर निगम में इसके विपरीत छोटी से छोटी फाइलें अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा अपने पास मंगवा रहे है। चाहे फिर वह 1 लाख रूपये की हो या फिर 50 लाख रूपये की। जबकि राज्य सरकार ने 8 जनवरी 2015 को आदेश जारी कर एस.ओ.पी. बनायी थी। जिसमें प्रत्येक अधिकारी की वितीय निर्णय की क्षमता तय की गई थी।

इस मामले में अधिशाषी अभियंता नितिन शर्मा का कहना है कि ठेकेदार द्वारा ज्यादा रेट डाली गई थी, वह उंची दर पर कार्यादेश का दबाव बना रहा था, इसलिए टैंडर निरस्त किए गए हैं। जहां तक बात फाइलें मंगवाने की है तो उच्चाधिकारियों के निर्देश पर किसी फाइल को जांच के लिए जरूर मंगवाया गया होगा, परंतु प्रत्येक फाइल हमारे पास नहीं आती। यह हास्यास्पद भी है कि कोई एक अधिकारी ही पूरी फाइलें अपने पास मंगवाए।

इस प्रकरण में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी का कहना है कि जिन टैंडर्स में ज्यादा दर आयी थी, उन्हें निरस्त किया गया है। जहां तक विद्याधर नगर जोन में 5 प्रतिशत कम रेट पर कार्यादेश दिए जाने की बात है तो उस विवादित टैंडर को भी हम निरस्त करने की कार्यवाही कर रहे हैं।

'अधिकारी बाढ़ संभावित इलाको को सूचिबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही निंरतर बारिश के चलते अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम करें जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आपदा राहत प्रबंधन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकतर बांध, नदियां, तालाब और जलाशय लबालब भर चुके हैं। ऐसे में अधिकारी इनके जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों को सूचीबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें तथा उन क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह की दुर्घटना से रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें तथा आमजन की आवाजाही को ऐसे स्थानों पर निषेध किया जाए। साथ ही, रपट जैसे स्थानों पर पानी चलने के दौरान अस्थायी चौकी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी सक्रियता से काम करे। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और तेज बहाव वाले नदी-नालों को पार करने से बचें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम को जानकारी दें जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 का 24ग्7 संचालन किया जा रहा है। अधिकारी कंट्रोल रूम में आई शिकायतों पर त्वरित एक्शन लेते हुए आमजन को शीघ्र राहत पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने तथा वहां साफ पानी के साथ नियमित सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए।